Today's Poem – 24.07.2014

बाबा कहते हैं माया रावण के संग में आकर तुम भटक गये

पवित्र पौधे अपवित्र बन गये

बच्चों को वंडर लगता हम बाबा को भूल गये

बाबा को वंडर लगता मेरे बच्चे मेरे को भूल गये

शिवालय में जाने के लिए इन विकारों को निकालना

इस वेश्यालय से दिल हटाते जाना

शूद्रों के संग से किनारा कर लेना

जो कुछ बीता उसे ड्रामा समझ कोई भी विचार नहीं करना

अहंकार में कभी नहीं आना

कभी शिक्षा मिलने पर फंक नहीं होना

कर्म और योग के बैलेंस में रहना

और ब्लेसिंगस प्राप्त करना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!